प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर सुना गया प्रधानमंत्री का भाषण

पंतनगर। १७ मार्च, २०१८। पंतनगर विश्वविद्यालय के ऑडीटोरियम गांधी हाल में आज प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी, का भाषण बड़ी संख्या में लोगों द्वारा सुना गया। प्रधानमंत्री द्वारा आज नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के परिसर में आयोजित कृषि उन्नति मेला में किसानों, कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि से संबंधित अन्य लोगों को संबोधित किया गया। उनके इस संबोधन के सीधे प्रसारण को पंतनगर के आस-पास के किसानों, विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों व संकाय सदस्यों एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों तथा विद्यार्थियों को दिखाने की व्यवस्था पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा गांधी हाल में की गयी थी।

लाईव टेलिकास्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें न्यू इण्डिया के दो प्रहरियों, किसान एवं वैज्ञानिक, से एक साथ मिलने का मौका प्राप्त हुआ है, जिनमें से एक देश के भरण-पोषण हेतु मेहनत कर रहा है तथा दूसरा नयी-नयी तकनीकों का ईजाद कर देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग दे रहा है। उन्होंने किसानों के हितार्थ केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गयी विभिन्न योजनाओं, जैसे किसानों को मृदा स्वास्थ कार्ड दिया जाना, मॉडल एक्ट बनाकर राज्य सरकारों से उसे लागू करने का अनुरोध किया जाना, ग्रामीण रिटेल कृषि विपणन केन्द्र बनाया जाना, किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बढावा देना, ग्रामीण हाटों व मण्डियों को आपस में जोड़ना, सोलर फार्मिंग की सुविधा दिया जाना, किसानों के उत्पाद का लागत से डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाना इत्यादि सम्मलित हैं, के बारे में बताया। श्री मोदी ने किसान की लागत की विस्तृत व्याख्या भी की। उन्होंने किसानों से खेत में पराली जलाना छोड़ने की पुरजोर अपील की तथा यूरिया का प्रयोग धीरे-धीरे कम करते हुए समाप्त करने के लिए कहा। श्री मोदी ने भारत में बांस एवं पाम की खेती में वृद्धि किये जाने के लिए भी कहा, ताकि इनके आयात को समाप्त कर विदेशी मुद्रा की बचत की जा सके। प्रधानमंत्री ने नयी तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने हेतु कार्य किये जाने पर बल दिया तथा इस मेले की तरह किसानों के क्षेत्रों में ऐसे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने किसानों से इस मेले में प्रदर्शित सभी तकनीकों एवं जानकारियों को ले जाकर अपने-अपने क्षेत्र में अन्य किसानों को भी बतायें जाने के लिए कहा। इस अवसर पर उन्होंने कृषि कर्मठ पुरस्कार एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय प्रोत्साहन पुरस्कार भी विजेताओं को प्रदान किये।

इस सीधे प्रसारण को देखने हेतु गांधी हाल में सैकड़ों की संख्या में किसान, कृषि वैज्ञानिक, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

गांधी हाल में प्रधानमंत्री के भाषण का सीधा प्रसारण देखते किसान एवं पंतनगर के वैज्ञानिक।